महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

कार्यवृत्त

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की

दसवीं बैठक

दिनांकः 19 जुलाई 2018 समय : 03.30 बजे

स्थान : सभाकक्ष, भाषा विद्यापीठ

विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा

कार्यवृत्त

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की दसवीं बैठक दिनांक 19 जुलाई 2018 को अपरान्ह भाषा विद्यापीठ के सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक के आरंभ में प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में निम्नलिखित पदाधिकारी/सदस्य उपस्थित थे:–

प्रो.गिरीश्वर मिश्र, कुलपति
प्रो. मनोज कुमार
प्रो. एल. कारूण्यकरा
प्रो. कृष्ण कुमार सिंह
प्रो. अनिल कुमार राय
प्रो. अवधेश कुमार
डॉ. मैत्रेयी घोष
डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय
डॉ. रामानुज अस्थाना
डॉ. राजीव रंजन राय
डॉ गोपाल कृष्ण ठाकुर
कुलसचिव
श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
डॉ. प्रफुल्ल काले
डॉ. अशोक पावडे
श्री शावेज खान
डॉ शोभा पालीवाल

बैठक में प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, प्रति–कुलपति, प्रो. आनंद प्रकाश, बाह्य विशेषज्ञ तथा श्री भरत महोदय, पूर्व विद्यार्थी उपस्थित नहीं हो सके।

आरंभ में प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल ने अध्यक्ष तथा बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया और अध्यक्ष महोदये से बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करने का अनुरोध किया। कार्यसूची पर विस्तृत विचार–विमर्श के बाद सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों का विवरण निम्नानुसार है:–

मद संख्या 01.– आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की नवीं बैठक के कार्यवृत्त की संपुष्टि एवं अनुमोदन।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की नवीं बैठक माननीय कुलपति महोदय प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में दिनांक 20 दिसंबर 2017 को पूर्वान्ह 11.00 बजे भाषा विद्यापीठ के सभाकक्ष मे संपन्न हुई थी जिसके कार्यवृत्त की प्रति सभी सदस्यों को ईमेल द्वारा प्रेषित कर दी गयी थी। उक्त कार्यवृत्त की छायाप्रति माननीय सदस्यों के समक्ष अवलोकनार्थ प्रस्तुत की गई।

निर्णय :– अनुमोदित।

मद संख्या 02.– आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की नवीं बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में की गयी कार्यवाही।

निर्णय :– प्रकोष्ठ ने उपलब्ध कराई गई सूचनाएँ ग्रहण कीं।

मद संख्या 03– आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) की आगामी कार्ययोजना।

निर्णय :– प्रकोष्ठ ने सूचना ग्रहण की तथा निम्नलिखित कार्यवाही करने का निर्णय लिया।

1. अकादमिक ऑडिट यथाशीघ्र कराया जाए।
2. नये प्रारूप के अनुसार Self Study Report की प्रति **(SSR)** सभी विभागों को उपलब्ध करायी जाए।
3. व्यक्तिव विकास शिविर में एमगिरी की उप निदेशिका सुश्री प्रगति गोखले को बतौर वक्ता आमंत्रित किया जाए।
4. विदर्भ इंडस्ट्रीज एसोशिएसन के अध्यक्ष श्री अविनाश पाण्डेय का भी व्याख्यान कराया जाए।
5. शिक्षक दिवस (05 सितंबर 2018) को पूर्व विद्यार्थी सम्मेलन (Alumni Meet) का आयोजन किया जाए।
6. विद्यार्थियों को Skill Training दी जाए।

मद संख्या 04 – विश्वविद्यालय में कार्यरत शैक्षणिक कर्मियों के Career Advancement Scheme (CAS) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों पर विचार।

निर्णय :– **डॉ. रामानुज अस्थाना**, सहायक प्रोफेसर, तथा **डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी**, सहायक प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग, **डॉ. सुप्रिया पाठक**, सहायक प्रोफेसर एवं **डॉ. अवंतिका शुक्ला**, सहायक प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग और **डॉ. अमित राय,** सहायक प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय के **स्टेज 2 से 3** तथा **डॉ. विधु खरे दास**, सहायक प्रोफेसर, इलाहाबाद केंद्र एवं **डॉ. मुन्ना लाल गुप्ता**, सहायक प्रोफेसर, प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग के **स्टेज 1 से 2** के प्रकरण पर विचार करने के लिए गठित प्रारंभिक जाँच समिति की रिपोर्ट बैठक में प्रस्तुत की गई।

आईक्यूएसी ने प्रारंभिक जाँच समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार कर उसे स्वीकार करते हुए यह निर्णय लिया कि स्टेज 1 से 2 तथा 2 से 3 के प्रकरणों को आगामी CAS Screening Committee के समक्ष विचारार्थ/निर्णयार्थ प्रस्तुत किया जाए। तत्पश्चात कार्यपरिषद में रखा जाए।

मद संख्या 05– शिक्षण को अनुभवपरक एवं गुणात्मक रूप से समृद्ध करने पर विचार–विमर्श।

निर्णय :– सभी विभागों में इस पर कार्य हो रहा है। Nature of Discipline के हिसाब से गुणात्मक सुधार पर जोर दिया जा रहा है। बैठक में मौजूद संकाय सदस्यों ने अपने विभाग की गतिविधियों से प्रकोष्ठ को अवगत कराया।

मद संख्या 06– अध्यापन में आई.सी.टी. (ICT) के अधिकाधिक उपयोग पर विचार–विमर्श।

निर्णय :– इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। प्राध्यापक अपने शिक्षण को व्याख्यान शैली के साथ–साथ पी.पी.टी. बनाकर उन्हें विषय की जानकारी दे सकते हैं।

मद संख्या 07– विद्यार्थियों के शोध कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु मानक तैयार करने पर चर्चा।

निर्णय :– इस संबंध में विद्या परिषद में विचार हुआ है। साथ ही सत्रांत अवकाश के दौरान विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। समय–समय पर विद्यार्थियों के लिए भी उनके विषय पर प्रस्तुति देने को कहा जाए।

मद संख्या 08– परीक्षा कार्य में ऑनलाइन मूल्यांकन तथा मूल्यांकन कार्य में गुणात्मक सुधारों पर विचार।

निर्णय :– संसाधन विकसित होने के बाद ही इस पर आगे की कार्यवाही की जाये।

मद संख्या 09– हिंदी तथा भारत की अन्य भाषाओं का अंतरराष्ट्रीय भाषाओं के साथ उपयोगी संबंध विकसित करने के प्रयासों पर विचार।

निर्णय :– विश्वविद्यालय में एम. ए. स्तर तक के विद्यार्थियों को कोई भी एक भारतीय या विदेशी भाषा का अध्ययन करना अनिवार्य है। वर्तमान में संस्कृत, उर्दू, मराठी, अंग्रेजी, चीनी, जापानी, फ्रेंच और स्पेनिश भाषा का अध्ययन–अध्यापन कराया जा रहा है।

मद संख्या 10– अध्यक्ष की अनुमति से कोई अन्य प्रस्ताव/विषय।

*** प्रो. देवराज द्वारा प्रकोष्ठ को प्रेषित शिकायती पत्र पर विचार।**

निर्णय :– चूँकि यह एक गंभीर विषय है इसलिए इस प्रकरण को आगे की कार्यवाही के लिए कार्य परिषद में रखा जाए।

*** विश्वविद्यालय परिसर में संचालित केंद्रीय विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता पर विचार।**

निर्णय :– इस संबंध में विश्वविद्यालय के अधिकारी/संकाय सदस्य केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य से चर्चा करें और विद्यालय की अव्यवस्था एवं अभिभावकों की शिकायतों से प्राचार्य को अवगत कराएं।

बैठक के अंत में प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल ने नये नामित सदस्यों प्रो. अवधेश कुमार तथा डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर का स्वागत करते हुए उपस्थित सभी पदाधिकारी एवं सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

शोभा पालीवाल
समन्वयक
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

प्रो. गिरीश्वर मिश्र
कुलपति/अध्यक्ष
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ